

## कामधेनु लिमिटेड ने पहली तिमाही में किया शानदार कारोबार

प्रकाशित: 13 अगस्त 2016

नई दिल्ली,वीअ)। स्टील और पेंट क्षेत्र में देश की दिग्गज कंपनियों में से एक कामधेनु लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2016-17की पहली तिमाही में शानदार कारोबार किया है। देश में रियल एस्टेट और विनिर्माण क्षेत्र में मंदी के बाद भी कंपनी ने इस दौरान लाभ में बढ़ोतरी की है। कंपनी का मुनाफा पिछले साल की पहली तिमाही से 122 लाख रुपये से 66 पतिषतबढ़कर 203 लाख रुपये हो गया। हालांकि इस अवधि के दौरान कंपनी की पी 221 करोड़ रुपये से घटकर 183 करोड़ होगई मगर कंपनी का लाभ बढ़ा है। कामधेनु इस्पात लिमिटेड के सीएमडी श्री सतीश अग्रवाल ने तिमाही नतीजों पर फ्रतिबिडया देते हुए कहा,

"कंिनि आर्थिक माहौल के बावजूद कंपनी अपेक्षित तरीके से विकास करती रही है। इस वित्तीयवर्ष की पहली तिमाही में हमने बेहतर कारोबार करते हुए पिछले वर्ष की पहली तिमाही की तुलना में शुद्ध मुनाफे में 66पतिषत की बढ़ोतरी की यह इस बात का साफ इशारा है कि संसाधनों और संपदा का बेहतरिन उपयोग हो रहा है औरयह कंपनी की विकास की क्षमताओं को भी दर्शा रही है।"

कामधेनु पेंट्स कामधेनु ग्रुप की ही कारोबारी शाखा है जोदेश में पेंट की सबसे ज्यादा पतिष्ित कंपनियों में शुमार है। कामधेनु पेंट्स को वैश्विक बाजार के मानकों के अनुरूपउत्कृष्ट गुणवत्ता वाले ढेरों पेंट उत्पाद पेष करने का श्रेय जाता है। हर प्रकार के ग्राहक वर्ग की जरूरतों को पूरा करतेहुए कंपनी सजावटी रंगों की सबसे व्यापक श्रृंखला पेष करती है।कंपनी स्टील कारोबार में 'फ्रेंचाइजी बिजनेसएसोसिएशन' मॉडल पर काम कर रही है ताकि देश भर में फैले स्टील संयंत्रों के जरिये उसके ब्रांड को बढ़ावा मिले। देशभर में उत्पादों की पहुँच सुनिश्चित करने के लिए कंपनी के पास डीलरों और डिस्ट्रीब्यूटर्स का विशाल मार्केटिंग नेटवर्क है।कंपनी ग्राहकों को वाजिब कीमत पर उच्च गुणवत्ता वाले उत्पाद मुहैया कराने का वादा करती है।

7 Aug, 16 10:24

नई दिल्ली । कामधेनु लिमिटेड का मुनाफा चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में <sup>66</sup> प्रतिशत बढ़ गया। यहां जारी बयान में कहा गया कि कामधेनु लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2016-17 की पहली तिमाही में शानदार कारोबार किया है। देश में रियल एस्टेट और विनिर्माण क्षेत्र में मंदी के बाद भी कंपनी ने इस दौरान लाभ में बढ़ोतरी की है। कंपनी का मुनाफा पिछले साल की पहली तिमाही से <sup>122</sup> लाख रुपए से <sup>66</sup> प्रतिशत बढ़कर <sup>203</sup> लाख रुपए हो गया।